भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर और जीएमआरईसीएस-जीएमडीसी ने खनन और भूविज्ञान में अनुसंधान और क्षमता निर्माण को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भुवनेश्वर, 11 फरवरी 2026: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने गुजरात खनिज विकास निगम लिमिटेड (जीएमडीसी) द्वारा स्थापित एक अनुसंधान संस्था, गुजरात खनिज अनुसंधान औद्योगिक परामर्श संस्था (जीएमआरआईसी) के साथ भूविज्ञान, खनन, खनिज अन्वेषण और संबद्ध भूविज्ञान के क्षेत्रों में दीर्घकालिक शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से 11 फरवरी 2026 को आईआईटी भुवनेश्वर के डीन (प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श) प्रोफेसर दिनकर पसला और जीएमआरआईसी/जीएमडीसी के सीईओ डॉ. डी. के. सिन्हा ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह में पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान संकाय से डॉ. आर. के. सिंह और डॉ. बंकिम चंद्र महंत; आईआईटी भुवनेश्वर के प्रभारी प्रोफेसर (करियर विकास प्रकोष्ठ) डॉ. श्रीकांत गोल्लापुडी; ओडिशा के परियोजना योजना एवं प्रशासन प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल संजीव कुमार शर्मा (सेवानिवृत्त); जीएमडीसी के महाप्रबंधक (विद्युत) श्री जनार्दन एन. दवे; उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री राजीव पारेख; और जीएमआरआईसी के सदस्य उपस्थित थे।

इस पांच वर्षीय समझौते के तहत, दोनों संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं, ज्ञान के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और कौशल विकास पर जोर देते हुए अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण में एक रणनीतिक साझेदारी स्थापित करेंगे।

जीएमआरआईसीएस, जो भूविज्ञान और खनन के क्षेत्र में उन्नत अनुसंधान करता है–जिसमें खनिज भंडार मूल्यांकन, खनिज समृद्ध क्षेत्रों की पहचान, बाजार अनुसंधान और डेटाबेस विकास शामिल हैं– आईआईटी भुवनेश्वर के छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, क्षेत्र आधारित अनुसंधान और व्यावहारिक अनुभव के अवसर प्रदान करेगा। छात्र अन्वेषण और खनन गतिविधियों से संबंधित विषयों पर बीएससी, एमएससी, एमटेक और पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने के लिए अनुसंधान कर सकते हैं।

इस सहयोग के तहत, जीएमआरआईसी/जीएमडीसी और इसके संबद्ध केंद्रों, जैसे कि खनन सुरक्षा और स्वचालन में उत्कृष्टता का अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीईएम) और उद्यमिता और प्रौद्योगिकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीआरईएटी) के विशेषज्ञ छात्रों और संकाय के लिए विशेष व्याख्यान, प्रशिक्षण कार्यक्रम और व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान करेंगे।

राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, आईआईटी भुवनेश्वर, भूविज्ञान, खनन और खनिज अभियांत्रिकी, महत्वपूर्ण खनिजों, विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान और भूभौतिकीय सर्वेक्षणों में अपनी अकादमिक और अनुसंधान विशेषज्ञता का योगदान देगा। यह सहयोग महत्वपूर्ण खनिजों की खोज में संयुक्त अनुसंधान पहलों पर भी केंद्रित होगा, विशेष रूप से गुजरात और ओडिशा जैसे रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों में, जिनमें अंबडोंगर (आरईई) और अंबाजी (सीयू-पीबी-जाइन) जैसे भंडार शामिल हैं।

इस सहयोग से उद्योग-अकादमिक जुड़ाव को मजबूत करने, व्यावहारिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने और खनन एवं भूविज्ञान क्षेत्र में सतत खनिज विकास और मानव संसाधन क्षमता निर्माण में योगदान देने की उम्मीद है।